भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1123

दिनांक 25 जुलाई, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

हृदयाघात से युवाओं में मृत्यु के बढ़ते मामले

† 1123. श्री धर्मबीर सिंहः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार युवाओं में हृदयाघात और अन्य गैर-संचारी रोगों के कारण अचानक मृत्यु की बढ़ती घटनाओं से अवगत है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा, विशेष रूप से 18 से 40 आयु वर्ग के लोगों में, ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं के मूल कारणों की जाँच के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;

(ग) क्या सरकार ने देश में कोई राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जाँच या शीघ्र पहचान अभियान शुरू किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों में जीवनशैली, पोषण और तनाव प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम चला रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का देश में निवारक स्वास्थ्य देखभाल और फिटनेस जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम के लिए किसी दीर्घकालिक नीति का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईई) ने मई-अगस्त 2023 के दौरान 19 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में स्थित 47 विशिष्ट परिचर्या अस्पतालों में "भारत में 18-45 वर्ष की आयु के वयस्कों में अस्पष्ट अचानक हुई मौतों से जुड़े कारक - एक बहुकेंद्रित समेल केस-कंट्रोल अध्ययन" शीर्षक से एक अध्ययन किया है। मामले स्पष्ट रूप से स्वस्थ व्यक्ति थे जिनकी आयु 18-45 वर्ष थी और उन्हें कोई ज्ञात सह-रुग्णता नहीं थी, जिनकी 1 अक्टूबर 2021-31 मार्च 2023 के दौरान अस्पष्ट कारणों से अचानक मृत्यु हो गई। मामलों में कोविड-19 टीकाकरण/संक्रमण, कोविड-19 के बाद की स्थिति, अचानक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास, धूम्रपान, ड्रग्स का प्रयोग, बार बार शराब पीना, अत्यधिक शराब पीने और मृत्यु से दो दिन पहले अत्यधिक तीव्रता वाली शारीरिक कार्यकलाप के आंकड़ों के संबंध में जानकारी एकत्र की गई।

अध्ययन में पाया गया कि कोविड-19 टीकाकरण से भारत में युवा वयस्कों में अस्पष्ट अचानक मौत का जोखिम नहीं बढ़ा। पूर्व में कोविड-19 अस्पताल में भर्ती होने, अचानक मौत के पारिवारिक इतिहास और कुछ जीवनशैली संबंधी आदतों के कारण अस्पष्ट अचानक मौत की संभावना बढ़ गई।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। हृदय रोग एनपी-एनसीडी का एक अभिन्न अंग हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक और 233 हृदय परिचर्या इकाइयाँ स्थापित की गई हैं।

देश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में मधुमेह, उच्च रक्तचाप सहित सामान्य गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की जांच की जाती है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के अंतर्गत, सामुदायिक स्तर पर आरोग्य कार्यकलापों को बढ़ावा देने और लक्षित संचार के माध्यम से गैर-संचारी रोगों के निवारक पहलू को मजबूत किया जाता है। गैर-संचारी रोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए आगे की पहलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवसों का पालन और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। एनपी-एनसीडी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा हृदय रोगों सहित गैर-संचारी रोगों के लिए जागरूकता सृजन कार्यकलापों के लिए एनएचएम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ़एसएसएआई) का राष्ट्रव्यापी 'ईट राइट इंडिया' अभियान सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन के माध्यम से निवारक स्वास्थ्य सेवा के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इसकी प्रमुख पहलों में स्वस्थ भोजन प्रथाओं को बढ़ावा देना, स्कूलों में सुरक्षित और संतुलित आहार सुनिश्चित करना और स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए एक खाद्य सुरक्षा मार्गदर्शिका विकसित करना शामिल है। एफ़एसएसएआई ने उच्च शिक्षण संस्थानों में जागरूकता फैलाने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के साथ भी सहयोग किया है। फिट इंडिया अभियान का क्रियान्वयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा किया जाता है और आयुष मंत्रालय द्वारा योग संबंधी विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं।

*****